भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4587 का उत्तर

पेद्दापल्ली में रेलवे परियोजनाओं का विद्युतीकरण

4587. श्री वामसि कृष्णा गद्दाम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे लाइन विद्युतीकरण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है और विशेष रूप से राष्ट्रीय रेल योजना के अंतर्गत काजीपेट-बल्हारशाह खंड पर प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशन पर रेलवे पटरियों के दोहरीकरण और प्लेटफार्म आधुनिकीकरण के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) क्या सिंगरेनी खदानों से कोयला की ढुलाई के लिए नए रेलवे हॉल्ट बनाने और बेहतर संपर्क के लिए कोई व्यवहार्यता अध्ययन किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों पर डिजिटल टिकटिंग प्रणाली, स्टेशन पुनर्विकास और यात्री सुविधाओं में वृद्धि संबंधी कार्यान्वयन में प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार पेद्दापल्ली-मंचरियल क्षेत्र में कोयला खनन कार्यों में मदद पहुंचाने के लिए हाई-स्पीड रेल संपर्क और माल ढुलाई गलियारे के विकास की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा इसकी समय-सीमा और निवेश जरूरतों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में किया जा रहा है। अब तक, लगभग 99% बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। शेष नेटवर्क

का विद्युतीकरण शुरू कर दिया गया है। 2014-25 के दौरान और 2014 से पहले किया गया विद्युतीकरण निम्नानुसार हैं:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-25	46,900

तेलंगाना में पेड्डापल्ली निर्वाचन क्षेत्र में स्थित रेल नेटवर्क सहित मौजूदा सम्पूर्ण बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण कर दिया गया है।

रेल परियोजनाओं को क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत किया जाता है, न कि राज्य-वार/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों/संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

बहरहाल, सिंगरेनी कोयला क्षेत्र सहित पेड्डापल्ली निर्वाचन क्षेत्र से गुजरने वाले रेल नेटवर्क की संपर्कता में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित कार्य/सर्वेक्षण पूरे किए गए/शुरू किए गए हैं:

i. **विद्युतीकरण सहित पेड्डापल्ली बाईपास (2.17 कि.मी.) का कार्य पूरा किया गया है और 25.07.2025 को कमीशन किया गया है।**

ii. **विद्युतीकरण सहित काजीपेट-बल्हारशाह तीसरी लाइन (202 कि.मी.) का कार्य 2063 करोड़ रुपये की लागत पर शुरू किया गया है। 202 कि.मी. में से 177 कि.मी. को कमीशन किया गया है और शेष कार्य को शुरू किया गया है। 2025-26 के दौरान, इस कार्य के लिए 186 करोड़ रुपये का परिव्यय मुहैया कराया गया है। इसके अलावा, काजीपेट-बल्हारशाह चौथी लाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य भी शुरू कर दिया गया है।**

iii. **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए पेड्डापल्ली-निजामाबाद (178 किमी) दोहरीकरण सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया है।**

iv. **मनुगुरु-रामागुंडम (208 किमी) के लिए वास्तविक सर्वेक्षण कार्य पूरा किया जा चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।**

इसके अलावा, सिंगरेनी खदानों से कोयला परिवहन के लिए बेहतर संपर्कता के लिए, निम्नलिखित गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के कार्य भी शुरू किए गए हैं:

क्र.सं.	स्टेशन से गति शक्ति कार्गो टर्मिनल	स्थिति
1	पार्धसारधी पुरम स्टेशन	गति शक्ति कार्गो टर्मिनल कमीशन कर दिया गया है
2	बेल्लमपल्ली स्टेशन	आईपीए दिया गया। कार्य शुरू किया गया है
3	भद्राचलम स्टेशन	आईपीए दिया गया। कार्य शुरू किया गया है

यात्री सुविधाओं में सुधार लाने के लिए स्टेशन पुनर्विकास

तेलंगाना राज्य में स्थित पेड्डापल्ली जंक्शन स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित किया गया है।

पेड्डापल्ली स्टेशन पर प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और शौचालय का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, पार्किंग क्षेत्र में सुधार, प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, पैदल पार पुल और दिव्यांगजन सुविधाओं से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

ग्राहक अनुभव बेहतर करने और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए, भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल है:-

- **स्टेशन पहुंच और परिचलन क्षेत्र में सुधार**
- **शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**

- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पथ/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफार्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफार्म पर कवर
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध तरीके से यथा व्यवहार्य गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

इस योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु तेलंगाना राज्य में स्थित 40 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। तेलंगाना राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
तेलंगाना	40	आदिलाबाद, बसर, बेगमपेट, भद्राचलम रोड, गदवाल, हाफिजपेट, हाइ-टेक सिटी, हुप्पुगुडा, हैदराबाद, जदचेरला, जनगांव, काचेगुडा, कामरेड्डी, करीमनगर, काजीपेट जंक्शन, खम्मम, लिंगमपल्ली, मधिरा, महबूबाबाद, महबूबनगर, मलकपेट, मलकाजगिरी जं., मंचिरयाल, मेडक, मेडचल, मिरयालागुडा, नालगोंडा, निजामाबाद जं.,

		पेद्दापल्ली जं., रामागुंडम, सिकंदराबाद, शादनगर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, तंदूर, उमदानगर, विकाराबाद, वारंगल, यदाद्री, याकूतपुरा, जहीराबाद

तेलंगाना राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक इस योजना के अंतर्गत तेलंगाना राज्य में 03 स्टेशनों (बेगमपेट, करीमनगर, वारंगल) के चरण-I के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं तथा कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- बासर स्टेशन: प्लेटफार्म की सतह और प्लेटफार्म की दीवार के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। परिचलन क्षेत्र, प्लेटफार्म शेल्टर और दिव्यांगजन सुविधाओं के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- खम्मम स्टेशन: प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है। पैदल पार पुल, लिफ्ट, प्रतीक्षालय, स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।

- रामागुंडम स्टेशन: स्टेशन भवन, बुकिंग कार्यालय, कॉनकोर्स, दिव्यांगजन सुविधाएं, 12 मीटर पैदल पार पुल, लिफ्ट, प्लेटफार्म की सतह का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का फिनिशिंग कार्य और लैंडस्केपिंग का कार्य शुरू किया गया है।

- श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलांबा स्टेशन: प्लेटफार्म की सतह को ऊंचा करने, प्लेटफार्म विस्तार और स्टेशन भवन में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। परिचलन क्षेत्र, प्लेटफार्म शेल्टर और दिव्यांगजन सुविधाओं के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् और निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार। तेलंगाना राज्य दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है और इस क्षेत्र के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 863 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जुलाई, 2025 तक) 341 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का संवर्धन/उन्नयन एक सतत एवं निरंतर प्रक्रिया है, जो आवश्यकता, यात्री यातायात की मात्रा तथा कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

इसके अलावा, पेड्डापल्ली निर्वाचन क्षेत्र के सभी स्टेशनों पर निम्नलिखित डिजिटल भुगतान सुविधाएं उपलब्ध हैं :

- यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद।
- यूटीएस और पीआरएस काउंटरों में क्यूआर डिवाइस के माध्यम से डिजिटल भुगतान।
- यूटीएस एवं पीआरएस काउंटरों पर यूपीआई लेनदेन।
- यूटीएस एवं पीआरएस काउंटरों पर पीओएस मशीनों के माध्यम से डेबिट/क्रेडिट कार्ड भुगतान।

- **एटीवीएम में स्मार्ट कार्ड/क्यूआर भुगतान के माध्यम से टिकट किराए का भुगतान।**

इसके अलावा, रेलवे ने हाल ही में रेलवन ऐप की शुरूआत की है। इस ऐप के ज़रिए यात्री अपने मोबाइल फ़ोन पर आरक्षित और अनारक्षित दोनों तरह के टिकट बुक कर सकते हैं। इससे यात्री आरक्षण प्रणाली सुविधा यात्रियों की हथेली में आ गई है।

*****